दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 16.11.2024

प्रकाशनार्थ

प्राचार्य उद्‌बोधन और नवगठित छात्र परिषद अनुमोदन कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 16.11.2024 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोरखपुर के शिक्षक–शिक्षा विभाग में प्राचार्य उद्‌बोधन एवं नवगठित छात्र परिषद अनुमोदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) ओमप्रकाश सिंह ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। तत्पश्चात बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की प्रशिक्षु हेमा गुप्ता, हर्षिता कश्यप, अंशिका पांडेय, और इशिता यादव ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके उपरांत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओमप्रकाश सिंह का स्वागत नवगठित छात्र परिषद के अध्यक्ष अनन्त कीर्ति ने माल्यार्पण कर एवं मंत्री वैष्णवी दुबे एवं सहमंत्री हर्षिता कश्यप ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया।

स्वागत के इसी क्रम में बी०एड० प्रथम वर्ष के छात्राध्यापिका नंदनी मिश्रा, आकांक्षा राव एवं सन्नू गौतम नें स्वागत गीत 'स्वागतम शुभ स्वागतम शुभ स्वागतम' प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान ही अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस –2024 के **अवसर पर "सशक्त एवं समर्थ भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका" विषय** पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किया गया। इस प्रतियोगिता में बी०एड० प्रथम सेमेस्टर के इशिता यादव एवं तृतीय सेमेस्टर के शालू त्रिपाठी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रथम सेमेस्टर के तन्नु जायसवाल एवं आकांक्षा राव एवं तृतीय सेमेस्टर के धर्मेन्द्र यादव एवं विन्देश्वर तिवारी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा प्रथम सेमेस्टर के रवि प्रकाश सामंत एवं तृतीय सेमेस्टर के निशा यादव ने तृतीय स्थान सुनिश्चित किया।

इस अवसर पर प्राचार्य जी ने नवगठित छात्र परिषद (सत्र 2024–25) को अनुमोदित कर स्वीकृति प्रदान करते हुए समस्त पदाधिकारियों के प्रति अपनी शुभकामना व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्राचीन काल में शिक्षा प्रणाली संस्कारमूलक थी, आज़ादी के पूर्व विचारमूलक और वर्तमान में शिक्षा बाजारमूलक हो गई है। उन्होंने शैक्षिक उपागमों में कुलपति के पद गुरुकुल की व्यवस्थित प्रणाली एवं उसके संस्कृत में समाहित समरसता ,सद्‌भाव के गुणों की विवेचना की। अंत में नवागत प्रशिक्षुओं को योग्य शिक्षक बनने एवं हर परिस्थिति में अपने को सरल बनाते हुए लगातार आगे बढ़ते रहने हेतु अभिप्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन बी०एड० प्रथम वर्ष के प्रशिक्षु प्रदुम्न दूबे ने किया। इस अवसर पर आकाश उपाध्याय, हेमा गुप्ता, तेजेंद्र उपाध्याय, निधि यादव एवं अन्य प्रशिक्षुओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन बी०एड० प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षु मिथिलेश पांडेय ने किया।

इस अवसर पर विभाग की प्रभारी प्रो. (डॉ.) शुभ्रा श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्राध्यापक अरुण कुमार तिवारी, सुभाष चन्द्र, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री प्रदीप यादव, श्रीमती शालिनी पारीक एवं श्रीमती अपूर्वा सिंह सहित सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी सूचना एवं जनसम्पर्क